को

(1) एक-समान केन्द्र विधि :-
(2) कालक्रम-विधि :-
(3) प्रकरण विधि :-
(4) परावर्तन विधि :-

01/9/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

इतिहास के पाठ्यक्रम के विषय

तथ्यों के निर्णय के सिद्धान्तों तथा संगठन की विधियों का अवलोकन करने के पश्चात स्वतः ही प्रश्न उठता है कि पाठ्यक्रम में किन-किन तथ्यों को स्थान मिलना चाहिए? इस प्रश्न का उत्तर विभिन्न परिस्थितियों तथा वातावरण और राष्ट्रों के अनुसार पृथक-पृथक हो सकता है परन्तु हमारे राष्ट्र में जो नमूना अपनाया गया है उसके अनुसार विभिन्न विषयों को स्थान दिया गया है, जो कि निम्नलिखित है -

(i) प्राचीन काल की संस्कृतियों की रूपरेखा।
(ii) राष्ट्रीय इतिहास।
(iii) स्थानीय इतिहास।
(iv) विश्व इतिहास।
(v) प्रान्तीय इतिहास।
(vi) सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक इतिहास।
(vii) प्रचलित या वर्तमान परिस्थितियों का ज्ञान।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

विभिन्न कक्षाओं के लिए इतिहास के पाठ्यक्रम की रूपरेखा —

कक्षा – 5

इस स्तर पर आधुनिक भारत से सम्बन्धित कहानियां रखने का सुझाव दिया गया है-

जैसे :- रणजीत सिंह, झाँसी की रानी, प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के शहीद, विवेकानन्द, सुभाष चन्द्र बोस, सरदार पटेल, चन्द्रशेखर आजाद, भगतसिंह, आदि

कक्षा – 6

इस स्तर पर भारतीय समाज का विकास, अर्थात् प्राचीनकाल से लेकर सल्तनत काल तक रखा जाए। इस काल का आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आदि सभी पक्षों के अनुसार विवेचना प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

उदाहरणार्थ – इनमें निम्नलिखित प्रकरणों को स्थान मिलेगा -

(i) भारतीय इतिहास के सूत्र (स्रोत)।
(ii) सिन्धु घाटी की सभ्यता।
(iii) आर्यों की सभ्यता।
(iv) महाकाव्य काल।
(v) जैन तथा बौद्ध धर्म।
(vi) सिकन्दर का आक्रमण, नन्द वंश, मौर्य वंश आदि।
(vii) कुषाण साम्राज्य।
(viii) गुप्त साम्राज्य।
(ix) हूणों का आक्रमण।
(x) दक्षिण का इतिहास।
(xi) इस्लाम का उदय।
(xii) राजपूत साम्राज्य।
(xiii) गुलाम वंश।
(xiv) खिलजी वंश।
(xv) तुगलक वंश।
(xvi) सल्तनत काल की संस्कृति एवं उसका भारतीय संस्कृति पर प्रभाव

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

व्यावहारिक कार्य :-

सम्य - रेखाओं का निर्माण, ऐतिहासिक मानचित्र, चार्ट, रेखाकृतियों का निर्माण, अभिनय, ऐतिहासिक स्थलों तथा अजायबघरों का भ्रमण, ऐतिहासिक मॉडलों का निर्माण करना आदि।

कक्षा - 7

इस स्तर के लिए भारतीय समाज का विकास अर्थात् मुगल काल से लेकर कम्पनी काल तक निर्धारित किया जाए। इसमें निम्नलिखित प्रकरणों का समावेश किया जाना चाहिए —

(i) - बाबर के आक्रमण एवं उसके द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना।
(ii) - हुमायूँ तथा शेरशाह।
(iii) - अकबर तथा राजपूत।
(iv) जहाँगीर तथा शाहजहाँ।
(v) शाहजहाँ का काल - स्वर्णयुग क्यों?
(vi) औरंगजेब तथा उसकी नीति की प्रतिक्रिया।
(vii) मराठों तथा सिक्खों का उत्कर्ष।
(viii) युरोपियनों का आगमन।
(ix) अंग्रेजों का शक्ति विस्तार।
(x) मुगल काल का सांस्कृतिक इतिहास
(xi) कम्पनी का शासन काल तथा इस काल में संस्कृति, शिक्षा, धार्मिक तथा सामाजिक सुधार आदि।

व्यावहारिक कार्य :- पिछले स्तर की रूपरेखाओं के अनुसार ही होगा।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

कक्षा - 8

इस स्तर पर भारत का आधुनिक इतिहास रखना चाहिए। इसमें निम्नलिखित प्रकरणों को स्थान मिलना चाहिए :-

(i) संवैधानिक इतिहास
(ii) शासन - प्रबन्ध का इतिहास।
(iii) स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास।
(iv) शिक्षा का इतिहास।
(v) स्थानिय स्वशासन का इतिहास।
(vi) आर्थिक इतिहास।
(vii) नवभारत (स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद के भारत का इतिहास)
(viii) वर्तमान संविधान आदि।

इन प्रकरणों के साथ- साथ प्रादेशिक इतिहास भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

व्यवहारिक कार्य :- पिछले स्तरों की रूपरेखाओं के अनुसार होगा तथा इस स्तर पर सूत्र-पद्धति का भी प्रयोग किया जाना चाहिए।

कक्षा - 9, 10, 11, तथा 12.

① - भारतीय इतिहास का आलोचनात्मक ढंग से अध्ययन।
② - विश्व - इतिहास का उन्नत पाठ्यक्रम।
③ - पश्चिमी सभ्यता के प्रमुख आन्दोलन जो निम्नलिखित हैं :-

(i) पुनरुत्थान तथा सुधारवादी आन्दोलन,
~~विश्व इतिहास का उन्नत पाठ्यक्रम~~
~~पश्चिमी सभ्यता के प्रमुख आन्दोलन~~
(ii) फ्रांस की क्रान्ति
(iii) यूरोप में राष्ट्र वाद
(iv) औद्योगिक क्रान्ति

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

(v) समाजवादी आन्दोलन का विकास; ।
(vi) अन्तर्राष्ट्रीय संगठन – ।
(vii) विज्ञान का विकास – ।

④ पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व के कुछ राष्ट्रों का इतिहास
(i) चीन, ।
(ii) अफगानिस्तान ।
(iii) जापान ।
(iv) इण्डोनेशिया ।
(v) बर्मा तथा तिब्बत ।

⑤ भारत में प्रचलित तथा वर्तमान समस्याएँ –

(i) - भारत में विज्ञान के विकास का इतिहास ।
(ii) - भारतीय कृषि का इतिहास तथा उसकी समस्याएँ
(iii) - औद्योगिक समस्याएँ ।
(iv) - भारत में भाषा - सम्बन्धी समस्याएँ ।
(v) - सामाजिक समस्याएँ ।
(vi) - आर्थिक समस्याएँ ।
(vii) - शिक्षा की समस्याएँ ।

व्यावहारिक कार्य :-
① मानचित्र का निर्माण
(ii) स्रोतों का प्रयोग ।
(iii) समाचार पत्रों का प्रयोग ।
(iv) ऐतिहासिक जनरल, पत्र तथा पत्रिकाओं का प्रयोग ।
(v) ऐतिहासिक स्थानों का पर्यटन ।
(vi) ऐतिहासिक एलबम तथा सिक्कों आदि का संकलन
(vii) समय-चार्ट, रेखाओं, चित्रात्मक ग्राफ आदि का निर्माण कार्य ।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया